पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित:01.01.2022 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9958889970 पर Paytm कर दें। – अनिल आर्य

वर्ष-38 अंक-15 पौष-2078 दयानन्दाब्द 198 01 जनवरी से 15 जनवरी 2022 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.01.2022, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 333वां वेबिनार सम्पन्न

95वें बलिदान दिवस पर स्वामी श्रद्धानंद जी को दी श्रद्धांजलि

वीरवार 23 दिसम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, महान समाज सुधारक, गुरुकुल कांगड़ी के संस्थापक स्वामी श्रद्धानन्द जी सरस्वती का 95वां बलिदान दिवस केन्द्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी जी के निवास, 14, महादेव रोड़, नई दिल्ली में सोल्लास मनाया गया। केन्द्रीय विदेश राज्यमन्त्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द जी का जीवन समाजिक समरसता को समर्पित था। उन्होंने कहा कि गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार की स्थापना कर पुरातन गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित किया। स्वामी श्रद्धानन्द निर्भीक संन्यासी थे कई मोर्चों पर अंग्रेजी हकूमत से लोहा लिया।उनके जीवन से आज प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा की सर्वे भवंतु सुखिना की परंपरा से सनातन की रक्षा होगी महिला शिक्षा को आज भुला नहीं सकते अगर समाज में आगे बढ़ना है,श्रद्धानंद का बलिदान रंग लाया जो आज स्वतंत्रता से यज्ञादि श्रेष्ठ कार्य कर सकते हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि स्वामी जी ने अछूतोद्धार में अदभुत कार्य किया। शुद्धिकरण व घर वापिसी के लिए उन्होंने अभियान चलाया। महिलाओं की शिक्षा के लिए जालन्धर व देहरादून में कन्या महाविद्यालय की स्थापना की।उन्होंने गुरुकुल कांगड़ी की स्थापना के लिए अपनी कोठी व प्रेस बेचकर अपना सर्वस्व दान कर दिया। समारोह अध्यक्ष शिक्षाविद अंजु मेहरोत्रा ने कहा कि जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद उन्होंने कांग्रेस अधिवेशन कर निर्भीकता का परिचय दिया।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

शराब बाड़े नहीं अपितु शराब बन्दी लागू करो–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

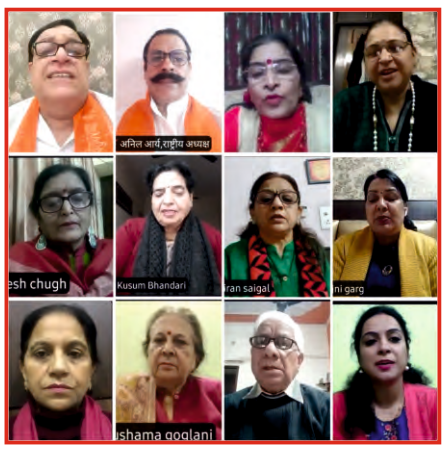

सोमवार 27 दिसम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'अहिंसा परमो धर्म' पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 333 वा वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने बढ़ती शराब की दुकानों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि दूध घी के देश में बढ़ते शराब बाड़े सभ्य समाज पर कलंक है। हम नयी पीढ़ी को विरासत में क्या देकर जा रहे है, नशा स्वास्थ्य का नाश करके रख देगा इससे अपराध और अधिक बढेगे। जबकि शिक्षा मंदिर खुलने चाहिए युवाओं का चरित्र निर्माण, नैतिक शिक्षा व पुरातन गौरव शाली भारतीय संस्कृति की जानकारी दी जानी चाहिए थी पर उन्हें नशे के समुद्र में बर्बादी के लिए धकेला जा रहा है। केन्द्र सरकार व सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध है कि देश हित में हस्तक्षेप कर समय रहते शराब पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाये अन्यथा जब देश की युवा शक्ति ही खोखला हो गई तो देश का भविष्य अंधकार मय हो जायेगा। दिल्ली सरकार की शराब की नीतियां धन के लिए युवकों को बर्बाद करने वाली है जिसके दूरगामी परिणाम घातक होंगे, जैसा बोयगे तो वैसा ही तो काटेंगे फिर बाद में पछताने से कुछ हाथ नहीं लगेगा। मुख्य वक्ता अनिता रेलन ने अहिंसा परमो धर्म पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मन वचन कर्म से किसी को कष्ट देना हिंसा है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

94वें बलिदान दिवस पर बिस्मिल को दी श्रद्धांजलि

प.रामप्रसाद बिस्मिल का बलिदान अनुपम था –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
नाम बेनाम शहीदों को याद करने की आवश्यकता है–आचार्य चंद्रशेखर शर्मा

रविवार 19 दिसम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी प. रामप्रसाद बिस्मिल के 94 वे बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह कॅरोना काल में 329 वा वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि बिस्मिल क्रांतिकारियों के सिरमौर थे,उन्हें मात्र 30 वर्ष की आयु में 19 दिसम्बर 1927 को गौरखपुर की जेल में फाँसी दी गई। वह काकोरी कांड के प्रणेता थे। बिस्मिल क्रांतिकारी के साथ साथ अच्छे लेखक, साहित्यकार व शायर भी थे । सुप्रसिद्ध गीत ष्सरफरोशी की तमन्नाष उन्ही की रचना थी । वह आर्य समाज के विद्धवान प.सोमदेव जी से प्रेरणा लेकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े । बिस्मिल को फांसी के बाद देश में क्रांतिकारी आंदोलन तेज हो गया और कई नोजवान कूद पड़े और पूर्ण स्वतंत्रता की मांग जोर पकड़ने लगी । बिस्मिल ने नोजवानो को आह्वान किया था कि कृषकों व मजदूरों को संगठित करने का काम करे । फांसी से तीन दिन पहले उन्होंने अपनी आत्म कथा जेल की काल कोठरी में लिखी थी युवकों को वह अवश्य पढ़नी चाहिए। आचार्य चंद्रशेखर शर्मा (ग्वालियर) ने आजादी के अनेको गुमनाम शहीदों का परिचय करवाते हुए कहा कि आज पाठ्यक्रम में इन्हें पढ़वाने की आवश्यकता है, जिससे नई पीढ़ी उनके बलिदान, त्याग, तपस्या को जान सके। 1857 से 1947 तक के आजादी के संघर्ष को नए सिरे से लिखने की आवश्यकता है जो क्रांतिकारी इतिहास के साथ छल किया गया है उसमें सुधार हो सके। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद का अनेको क्रांतिकारियों से सम्पर्क था व प्रेरक रहे। अध्यक्ष आर्य नेता गजेन्द्र चौहान ने कहा कि आजादी का इतिहास फिर से लिखा जाना चाहिए केवल शान्ति शान्ति से देश आजाद नहीं हुआ। गायक रविन्द्र गुप्ता,नरेन्द्र आर्य सुमन,दीप्ति सपरा,मर्दुल अग्रवाल,रजनी गर्ग,प्रतिभा कटारिया,रेणु घई, सुमित्रा गुप्ता,नरेशप्रसाद आर्य,सुदेश आर्या,कमलेश चांदना, प्रवीना ठक्कर आदि ने मधुर गीत सुनाये।

''परमानन्द की ओर'' पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

जीवन में तप से ही कुछ पाया जा सकता है–विमलेश बंसल दर्शनाचार्य

बुधवार 15 दिसम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ''परमानन्द की ओर'' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 328 वा वेबिनार था। वैदिक विद्वान विमलेश बंसल दर्शनाचार्य ने कहा कि बिना तपे कुछ नहीं मिलता, जीवन में कुछ पाने के लिए तप व साधना करनी पड़ती है । उन्होंने कहा कि – ईश्वर के परमानन्द को पाने में तप का महत्त्वपूर्ण योगदान है 'तपः स्वाध्यायः ईश्वर प्रणिधानानि क्रिया योगरू' क्रिया योग का महत्त्वपूर्ण घटक तप है बिना तपे कोई भी व्यक्ति सफल नहीं हो सकता, सूरज तप कर ही सबको प्रकाश से भर रहा है, वृक्ष तप कर ही पथिकों को छाया विश्राम शीतलता फल फूल दे रहे हैं। स्वयं ईश्वर तप कर ही सारे ब्रह्मांड को ऋत और सत्य से उत्पन्न कर पालन पोषण रक्षण कर रहा है फिर मानव का भी कर्तव्य हो जाता है वह भी तपस्वी बन कर नर सेवा नारायण सेवा करते हुए परमानंद की ओर बढ़े। सभी जड़ चेतन आदि ईश्वरीय प्रजा को सम्यक सेवन करे और अपनी सेवा दे, सेवा देने में जो भी स्वयं को कष्ट आते हों उनको प्रसन्न होकर सहना सीखे, जो भी व्यक्ति इस तरह तप करते हुए जप करता है वही समझो परमानन्द की ओर बढ़ रहा है गीता में महर्षि व्यास ने वाणी के लिए मधुर बोलना, श्रुति अनुकूल– सत्य प्रिय व हितकर बोलना, मन के लिए हमेशा प्रसन्न रहना, शान्त रहना, मॉन अर्थात् ईश्वर में ऑन रहना, आत्मद्रष्टा बनकर रहना, स्वाध्याय व विवेक वैराग्य का अभ्यास करते हुए रहना और शरीर का तप– देव, द्विज, गुरु, प्राज्ञ का सत्कार करना, शुचिता में जीना, विनम्र होना, ब्रह्म के अनुकूल विचरण करना,अहिंसा का पालन करना यह तीन प्रकार के तपों के बारे में श्लोकों द्वारा बताया है आओ हम सब भी यह ईश्वर व उसके जगत से तप की शिक्षा ले तपस्वी बनकर उस तपमय परमात्मा के परमानन्द को पाने उसकी ओर बढ़ें तभी मानव जन्म साफल्य। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि कुछ ईंटे अपना वजूद नीव में खोती है, तब जाकर कोई इमारत खड़ी होती है । कर्मशील मनुष्य ही जीवन में कुछ पा सकता है । है कर्मशील मनुष्य कर्म कर । तप, साधना, पुरुषार्थ जीवन का आधार है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि सभी महापुरुषों का जीवन पढ़ लो सभी ने पाने के लिए अपना सरसव होम किया है। अध्यक्ष आर्य नेता ओमप्रकाश अरोड़ा ने कहा कि पुरुषार्थ से कभी दिल न चुराये। आर्य नेता मनजीत सिंह चौहान(बहनोई डॉ. अशोक कुमार चौहान,संस्थापक अध्यक्ष, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा) के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। गायक रविन्द्र गुप्ता,नरेन्द्र आर्य सुमन,सुदेश आर्या,रजनी चुघ,ईश्वर देवी,रजनी गर्ग,विजय खुल्लर, वीना आर्या,जनक अरोड़ा, कमला हंस,कमलेश चांदना, राज श्री यादव, सुशांता अरोड़ा आदि ने मधुर भजन प्रस्तुत किये।

(पृष्ठ 1 का शेष) वह अदभुत व्यक्तित्व के धनी थे । आर्य नेता माया प्रकाश त्यागी ने कहा कि स्वामी दयानंद जी के प्रवचनों को सुनकर उनके जीवन में बदलाव आया और वे मुंशी राम से स्वामी श्रद्धानंद बने उन्होंने आर्य समाज को कुशल नेतृत्व प्रदान किया गुरुकुलों की स्थापना की। कार्यक्रम का शुभारम्भ आचार्य डॉ.जयेन्द्र कुमार(नोएडा) ने यज्ञ करवा कर किया,उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद जी के बाद सबसे अधिक कार्य स्वामी श्रद्धानन्द जी ने संभाला। जिस समय इस देश पर अविद्या का अन्धकार था उस समय दयानंद ज्ञान के सूर्य से अविद्या को दूर किया। वैदिक विद्वान विमलेश बंसल दर्शनाचार्य,आर्य रविदेव गुप्ता, बीजीपी नेता भारत भूषण मदान, यशपाल आर्य, आचार्य महेन्द्र भाई,प्रवीण आर्य (गाजियाबाद),चंद्रशेखर शर्मा (ग्वालियर),ओम सपरा आदि ने भी अपने विचार रखे। गायिका आराधना शर्मा, दीप्ति सपरा, प्रवीन आर्या, रजनी गर्ग, उर्मिला आर्या, नरेंद्र आर्य सुमन, नरेश खन्ना आदि ने मधुर गीत प्रस्तुत किये। मुख्य रूप से सर्वश्री सुरेन्द्र कोहली, देवेन्द्र भगत, मायाराम शास्त्री, रामचन्द्र कपूर, सुरेंद्र शास्त्री, गजेन्द्र चौहान, महावीर सिंह आर्य, के एल राणा, यशोवीर आर्य, राजीव चौधरी, वेदप्रकाश, अनिता आर्या,सुषमा पाहुजा,प्रकाशवीर शास्त्री, गोपाल आर्य,गोपाल जैन,अजय खट्टर, सुनीता रसोत्रा,देवेंद्र गुप्ता, राहुल आर्य, यज्ञवीर चौहान, के के यादव, आर्य रत्न सौरभ कुमार, आशा रानी ममता चौहान ,मृदुला अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। अरुण आर्य,सुदेश भगत,माधव सिंह, वरुण आर्य,शिवम मिश्रा, अंकुर आर्य आदि व्यवस्था संभाल रहे थे । प्रीति भोज का आनंद लेकर सभी उत्साह पूर्वक विदा हुए।

"ईश्वर क्या नहीं करता" पर गोष्ठी सम्पन्न

सोमवार 20 दिसम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'ईश्वर क्या नहीं करता' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 330 वा वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य विजय भूषण आर्य ने कहा कि कारण और कार्य का सम्बंध ज्ञान पूर्वक समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग जो वेदों का स्वाध्याय नहीं करते वे अपनी मनगढ़ंत बातों को मान कर अंधविश्वास से घिरे रहते हैं और शुद्ध ज्ञान न होने के कारण दुःख को प्राप्त करते हैं। सबसे पहले इस बात को ठीक से जानना अनिवार्य है कि ईश्वर अवतार नहीं लेता। ईश्वर का आना जाना किसी भी तरह सिद्ध नहीं हो सकता। क्योंकि जो सर्वव्यापक है उसका ' आ जाना' और यह कहना कि ईश्वर ने साकार रूप धारण कर लिया है मात्र अपनी अज्ञानता का परिचय देना ही है। जो आता है वह जाता भी अवश्य है। ईश्वर द्वारा शरीर धारण कर लेने की बात मानने का अर्थ है उसकी सभी शक्तियों को समाप्त प्राय कर देना। जो शरीर धारण कर लेगा वह एकदेशीय हो जायेगा और वह सब जीवों के कर्मों को नहीं जान सकेगा और जब सब जीवों के कर्मों को ही नहीं जान सकेगा तो उनके कर्मों का फल कैसे प्रदान करेगा ?

कोई ईश्वर से गुहार लगाता है कि मेरी नौकरी लगवा दे ,मैं तुम्हारे नाम पर लंगर लगा दूंगा। कोई मुकदमा जीतने की बात पर मंदिर में प्रसाद चढ़ाने की कहता है। कोई तो यहां तक कह देता है हनुमान जी के मंदिर में जाकर कि मेरी शादी करवा दो। कोई एक्सीडेंट में मर जाता है तो वह सारा दोष ईश्वर पर लगा देता है। कहीं आतंकवादी बम फेंककर लोगों की मौत का कारण बनते हैं तो भी यह भोला इन्सान यही मानता है कि ईश्वर को यही मंजूर था। इन जैसी और भी अनेक अनर्गल बातों पर विश्वास करता हुआ इन्सान अंधे कुएं में गिर कर अपने ज्ञान की डींग मारने की नाकाम कोशिश करता रहता है। और यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि आज लोग स्वाध्याय नहीं करते। वेद शास्त्र नहीं पढ़ते। विद्वानों चरणों में बैठकर ज्ञान अर्जित नहीं करते तो बताओ भला उनका कौन और कैसे समझाये कि ये सारी बातें अवैदिक हैं। इन बातों का ईश्वर से कोई सम्बन्ध नहीं है। यदि आपके घर कोई अभी अभी आया है और उसके आते ही लाइट आ जाए तो यह कहना उचित नहीं होगा कि आप आये और अपने साथ लाइट भी ले आये। अतः ईश्वर को पहले ठीक से समझने की आवश्यकता है । वही सृष्टि की रचना करता है ,वही चलाता है और वही अंत में प्रलय भी करता है। न तो आपके द्वारा प्रार्थना करने पर आपका घर बना कर देगा ,न आपके लिये भोजन बना कर देगा , न आपकी तबीयत खराब होने पर आपको दवाई ला कर देगा। ये सब कार्य आपके अपने हैं ।ईश्वर ऐसे कार्यों को नहीं करता चाहे आप कितने ही हाथ जोड़कर बैठ जायें चाहे आप उससे ज़बरदस्ती कहने–करवाने की कोशिश करें , वह आपके द्वारा करने योग्य कार्यों को कभी नहीं करेगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है पर उसके कार्य की सीमा है उसी प्रकार मनुष्य के कार्य की भी एक सीमा है । सभी अपनी परिधि में ही कार्य करते हैं। मुख्य अतिथि आर्य नेता हरिचंद स्नेही ने कहा कि वेदों की ओर लौटे और ईश्वर के सही स्वरूप को जाने । अध्यक्ष प्रवीन वर्मा ने धन्यवाद करते हुए महर्षि दयानंद जी के उपकारों की चर्चा की। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि ईश्वर प्राप्ति के लिए योग साधना आवश्यक है। गायक रविन्द्र गुप्ता, कमला हंस,रजनी चुघ,रजनी गर्ग,दीप्ति सपरा, सुमन गुप्ता,कृष्णा मुखी, प्रिया वर्मा,विजय खुल्लर, वीना आर्या,जनक अरोड़ा, रेखा गौतम आदि ने मधुर भजन सुनाये।

"स्वामी श्रद्धानंद व्यक्तित्व व कृतित्व" पर गोष्ठी सम्पन्न

स्वामी श्रद्धानन्द जी ने घर वापिसी का मार्ग प्रशस्त किया –आर्य रविदेव गुप्ता
स्वामी श्रद्धानन्द वीरता की मिसाल थे –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

बुधवार 22 दिसम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'स्वामी श्रद्धानन्द व्यक्तित्व व कृतित्व' पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 331 वा वेबिनार था। उल्लेखनीय है कि 23 दिसम्बर 1926 को दिल्ली के नया बाजार में उनका एक धर्मान्ध द्वारा गोली मारने से उनका बलिदान हो गया था। वैदिक विद्वान आर्य रविदेव गुप्ता ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द जी ने हिन्दू धर्म मे पुनः घर वापिसी का मार्ग प्रशस्त किया। अभी तक जो धर्म परिवर्तन कर अधर्मी बन जाते थे उनका वापिसी का कोई मार्ग नहीं था। उन्होंने कहा कि यज्ञ कर शुद्धि करण द्वारा वापसी सुनिश्चित की। हिंदू समाज में छुआ छूत का रोग व्यापत था स्वामी जी ने समानता का संदेश दिया यद्यपि उनका विरोध भी हुआ लेकिन वह झुके नहीं। शुद्धिकरण अभियान के लिए भारतीय शुद्धि सभा की स्थापना की ।विश्व प्रसिद्ध गुरूकुल कांगडी की स्थापना कर अपनी भाषा व संस्कृति की रक्षा का प्रसार किया। कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति के विरोध में त्यागपत्र देकर दलितोद्धार का पुनीत कार्य किया और इसी के लिए अपनी जान देदी। आज स्वामी जी से प्रेरणा लेकर शुद्धि करण के अभियान को चलाने की आवश्यकता है जो लोग किसी भय या लालच से विधर्मी हो गए हैं उन्हें वापिस हिन्दू धर्म में दीक्षित किया जाए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द जी वीरता का अनुपम उदाहरण थे जब रोलेट एक्ट के विरुद्ध प्रदर्शन किया गया तो उन्होंने दिल्ली के चाँदनी चौक घंटाघर पर जलूस का नेतृत्व करते हुए अंग्रेजी संगीनों के आगे सीना तानकर कहा कि लो खड़ा हूँ गोली चलाओ। दिल्ली के जामा मस्जिद के मिम्बर पर वेद मंत्रों के पाठ के साथ संदेश देने वाले पहले गैर हिन्दू थे। अमृतसर में जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद कांग्रेस का अधिवेशन सफल बनाने वाले स्वामी श्रद्धा नन्द ही थे। जालन्धर में पहला कन्या महाविद्यालय खोलने वाले स्वामी जी ही थे । महात्मा गांधी को महात्मा की उपाधि से सम्मानित करने वाले श्रद्धा नन्द ही थे। मुख्य अतिथि आर्य नेता सुरेन्द्र शास्त्री व अध्यक्ष अमीरचंद रखेजा ने कहा कि आज फिर स्वामी श्रद्धानन्द जी जैसे वीर की आवश्यकता है जो हिन्दू समाज का नेतृत्व कर सके। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि यदि शुद्धि अभियान तीव्र गति से चलता रहता तो आज अलगाव वाद की समस्या ही न होती । उन्होंने सार्वदेशिक आर्य वीर दल के राष्ट्रीय महामंत्री वेदप्रकाश आर्य के आकस्मिक निधन पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। गायक रविन्द्र गुप्ता, दीप्ति सपरा,रजनी गर्ग,प्रवीना ठक्कर, डॉ. रचना चावला, रचना वर्मा, राजेश मेहंदीरत्ता, पुष्पा शास्त्री, प्रतिभा कटारिया, जनक अरोड़ा, ईश्वर देवी,रेणु घई आदि ने मधुर भजन प्रस्तुत किये।

(पृष्ठ 1 का शेष)

इस सृष्टि का सनातन सत्य यही है कि अहिंसा ही सबसे श्रेष्ठ धर्म है ,सामान्य अर्थों में किसी से हिंसा ना करना तथा व्यापक अर्थ में कुछ इस तरीके से कहेंगे किसी भी प्राणी से मन वचन कर्म से नुकसान ना पहुंचा ना अहिंसा है अहिंसा समस्त हिंसक व्रतियों काम क्रोध लोभ मोह अहंकार का त्याग है जिससे रोग शोक वैर भाव वृत्तियों का निरोध होता है जिससे शरीर निरोगी बनता है मन में शांति और आनंद का वास होता है वेदों ने उपनिषदों ने धार्मिक ग्रंथों में रामायण हो या महाभारत गीता हो या भागवत सभी में अहिंसा को सर्वश्रेष्ठ धर्म बताया है। युगपुरुष शांति के अग्रदूत महानता के परिचायक सत्य अहिंसा के पुजारी गांधी जी ने तो अहिंसा के बल पर अंग्रेज सरकार को झुका दिया था अहिंसा में सहार नहीं निर्माण की शक्ति हैं देवत्व का फल है अपनत्व की भावना जिससे बलवती होती है । किंतु आत्मरक्षा राष्ट्र रक्षा धर्म रक्षा का सवाल जब उठता है तो उस वक्त उस बचाव में की गई हिंसा अहिंसा की श्रेणी में आती है। अहिंसा वेदव्यास जी के शब्दों में परम यज्ञ है परम तप है परम सत्य है तो वही महर्षि पतंजलि अहिंसा के बिना योग संभव नहीं बताते हैं यम पांच है और अहिंसा उस में प्रथम सीढ़ी है जहां हिंसा नकारात्मकता का प्रतीक है वही अहिंसा सकारात्मकता का प्रतीक है हालांकि आज के परिवेश को देखते हुए यह समझना होगा कि हिंसा से कभी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री विनिता खन्ना व अध्यक्ष प्रेम लता सरीन ने भी अहिंसा को मानव धर्म बताया । राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने भी नई शराब नीति की आलोचना करते हुए युवकों के उज्ज्वल भविष्य के लिए पूर्ण शराब बंदी की मांग की। गायिका दीप्ति सपरा,सावित्री गुप्ता, रजनी गर्ग,ईश्वर देवी, रचना वर्मा,आशा शर्मा,सुशांता अरोड़ा, रविन्द्र गुप्ता, अशोक गुगलानी आदि के मधुर भजन हुए।

'योग और आयुर्वेद' पर गोष्ठी सम्पन्न

जीवन को सभ्यक व समग्र रूप से देखना ही योग है –आचार्य सत्यवीर शर्मा

शुक्रवार 24 दिसम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'योग और आयुर्वेद' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 332 वा वेबिनार था। योगनिष्ठ आचार्य सत्यवीर शर्मा ने कहा कि योग एक दर्शन है जो जीवन को सभ्यक व समग्र रूप से देखने की शक्ति प्रदान करता है। योग से स्वयं को जानने, समझने व पहचानने की शक्ति मिलती है। जिसने स्वयं को जान लिया फिर वह धोखा नहीं खा सकता। आत्म ज्ञान से अहंकार से बचा जा सकता है। अपने देह में रहना यानी स्वयं में रहना। रोग,शोक,चिन्ता में तो रहते है पर स्वयं में नही रहते इसी मूल की भूल को समझना है और उसके कारण का निदान कर स्वस्थ रहना है यही आयुर्वेद का संदेश है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि योग जीवन का आधार है, जीवन शक्ति और आयुर्वेद सर्वोत्तम स्वस्थ रहने की विधा है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने भी दैनिक जीवन योगमय बनाने पर बल दिया। मुख्य अतिथि भटिंडा के वैध प्रदीप कटारिया व अध्यक्ष आर्य समाज सेक्टर 33 नोएडा के प्रधान शैलन जगिया रहे उन्होंने भी आयुर्वेद को सर्वाधिक श्रेष्ठ बताया। गायक रविन्द्र गुप्ता, दीप्ति सपरा, प्रवीना ठक्कर, सरोज शर्मा, विजय खुल्लर,बिन्दु मदान, जनक अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया, रजनी गर्ग,रजनी चुघ,सुदेश आर्या के मधुर भजन हुए। हापुड़ से आनन्द प्रकाश आर्य, ओम सपरा, डॉ.विपिन खेड़ा,उर्मिला आर्य,देवेन्द्र गुप्ता, राजेश मेहंदीरत्ता, महेंद्र भाई,आस्था आर्या,देवेन्द्र भगत आदि उपस्थित थे।

94वें जन्मोत्सव पर अटल जी को स्मरण किया

अटल जी विनम्रता,लोकप्रियता, मिलनसारिता की प्रतिमूर्ति थे –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शनिवार 25 दिसम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को उनके 94वें जन्मदिन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उल्लेखनीय है कि 25 दिसम्बर 1924 को ग्वालियर में हुआ था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि श्री अटल जी भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय, विनम्र, मिलनसार व्यक्तित्व के धनी प्रधानमंत्री रहे। वह कवि ह्रदय,पत्रकार, लेखक दयालु व भावुक थे। राष्ट्रीय मोर्चे पर कारगिल युद्ध में उनके कुशल नेतृत्व में विजय प्राप्त की व पोखरण में परमाणु परीक्षण कर भारत की शक्ति का विश्व पटल पर परिचय भी दिया। वह तीन बार प्रधानमंत्री बने। वह बहुत अच्छे वक्ता थे देर रात तक उनका भाषण सुनने के लिए लोग आतुर रहते थे। उन्होंने केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के प्रधानमंत्री निवास पर आयोजित कार्यक्रम में घोषणा की थी भारत किसी दबाव में नहीं झुकेगा व सीटीबीटी पर हस्ताक्षर नहीं होंगे। आज अटल जी के जीवन से प्रेरणा लेने का दिन है। वह भारतीय राजनीति के अजातशत्रु रहे। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने प.मदनमोहन मालवीय जी के जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने का आह्वान किया। वैदिक विद्वान आचार्य सत्यवीर शर्मा,ओम सपरा वैध प्रदीप कटारिया, शैलन जगिया, देवेन्द्र भगत, आचार्य महेंद्र भाई, डॉ विपिन खेड़ा, राजेश मेहंदीरत्ता ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किये। गायक रविन्द्र गुप्ता, नरेंद्र आर्य सुमन,दीप्ति सपरा, रजनी गर्ग,रजनी चुघ,बिंदु मदान, सरोज शर्मा,सुदेश आर्या,प्रवीना ठक्कर आदि के मधुर भजन हुए।

आर्य समाजसेवी सुशीला हरिदेव आर्य स्मृति दिवस सम्पन्न

माता पिता का ऋण कभी नहीं चुका सकते–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 26 दिसम्बर 2021,आर्य समाजसेवी माता सुशीला हरिदेव आर्य का स्मृति दिवस आर्य समाज सूर्य निकेतन पूर्वी दिल्ली में सोल्लास आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि हम माता पिता के ऋण से कभी उऋण नहीं हो सकते। संसार में केवल माता पिता ही दो देवता ऐसे है जो बच्चों की उन्नति देखकर प्रसन्न होते है। नयी पीढ़ी को उनकी सेवा का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरिदेव आर्य जी आर्य समाज के कर्मठ प्रचारक रहे कई आर्य समाजो की उन्होंने स्थापना की। कुमारों व किशोरों को संस्कारित करने व चरित्र निर्माण का सराहनीय कार्य किया। साथ ही अमर शहीद रामप्रसाद बिस्मिल व स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती के बलिदान दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। परिषद के राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने शहीद उधमसिंह के 122 वे जन्मोत्सव पर उनके बलिदान को नमन किया । कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवा कर किया। कुशल संचालन संजय आर्य ने किया। आर्य नेता राजीव कोहली, उषा किरण कथूरिया,रामकुमार सिंह आर्य, सुदेशवीर आर्य,रामदेव आर्य,चिंकी आर्या,शिवम मिश्रा आदि ने भी अपने विचार रखे। आर्य समाज के प्रधान यशोवीर आर्य ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मा. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970